

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2023

यमुना खादर में अतिक्रमण से वर्षा जल का प्राकृतिक बहाव बाधित

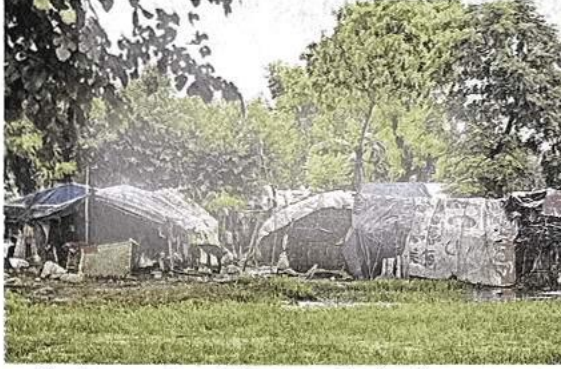
अजय राय • नई दिल्ली

दो दिन से दिल्ली में मूसलधार वर्षा में राष्ट्रीय राजधानी की सड़कें तालाब की तरह नजर आईं। आमजन को भारी परेशानियों से जूझना पड़ा। अगर नालों की ठीक से सफाई और वर्षा जल के प्राकृतिक बहाव वाले रास्ते को अतिक्रमण मुक्त रखा गया होता, तो स्थिति ऐसी नहीं होती। सड़क से लेकर यमुना नदी तक पानी के बहाव के रास्ते लगभग बंद हो चुके हैं। वहीं, खादर में अतिक्रमणकारियों ने झुगियाँ का पूरा मोहल्ला बसा दिया है। ऐसे में वर्षा जल का प्राकृतिक बहाव बाधित होता है।

वर्षा जल का एक प्राकृतिक बहाव होता है। पानी सड़क और नालियों से होते हुए ताल-तलैया या नदी में चला जाता है। लेकिन, राजधानी में या तो इस पर ध्यान नहीं दिया गया है या फिर अधिकारियों ने आंखें बंद कर ली हैं। मयूर विहार के सामने यमुना खादर के बड़े हिस्से

• अतिक्रमणकारियों ने खादर में बसा दिया है झुगियाँ का मोहल्ला

• डीडीए के पास यमुना खादर की लगभग 1,300 हेक्टेयर जमीन



मयूर विहार के पास यमुना खादर में अतिक्रमण कर बनी झुगि बस्ती • जागरण

में अतिक्रमणकारियों ने झुगियाँ का पूरा मोहल्ला बसा दिया है। डीडीए की इस जमीन पर माफिया ने कब्जा जमाकर छोटे-छोटे कार्य कर जीवनयापन करने वालों को झुगियाँ बनाने के लिए किराये पर जगह दी है। साथ ही यहां खेती के लिए भी जमीन दी जाती है। खेती के लिए

मेढ़बंदी करके लोगों ने पानी के प्राकृतिक बहाव को जहां-तहां रोक दिया है। तमाम नर्सरियां खुल गई हैं। लोग बताते हैं कि बीच-बीच में डीडीए के अधिकारी आते हैं और तोड़फोड़ करके चले जाते हैं। उसके बाद माफिया के इशारे पर ये लोग फिर यहां रहना शुरू कर देते हैं।

वहीं, शास्त्री पार्क में यमुना पुल के नीचे और कश्मीरी गेट के पास लोहेवाले पुल के नीचे भी तमाम झुगियाँ बसी हैं।

यमुना में पानी बढ़ने के बाद खादर में जब पानी भरने लगता है, तो ये लोग बाढ़ पीड़ित बन जाते हैं और प्रशासन की तरफ से अस्थायी तौर पर इनके रहने और खाने-पीने की व्यवस्था की जाती है। जब पानी कम हो जाता है, तो प्रशासन आंखें बंद कर लेता और अतिक्रमणकारी वापस पुरानी जगह पर कब्जा जमा लेते हैं। इस दौरान न तो डीडीए सख्ती करता है, न प्रशासन। चूंकि खादर में सबसे ज्यादा 1,300 हेक्टेयर जमीन डीडीए की है, तो इस अतिक्रमण को रोकने की जिम्मेदारी भी उसी की है। यमुना में पानी बढ़ने के साथ इस वर्ष भी प्रशासन द्वारा कमोबेश वही पुरानी व्यवस्था करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस पर हर वर्ष सरकार लाखों रुपये खर्च करती है, लेकिन दिल्ली सरकार व प्रशासन

से इसका हिसाब मांगा गया तो कोई जवाब नहीं मिला।

दैनिक जागरण ने डीडीए से उसके द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में पूछा, तो बताया गया कि उसके द्वारा यमुना खादर की जमीन पर हर तरह का अतिक्रमण, अवैध कब्जे और अन्य गतिविधियां रोकने के लिए समय-समय पर अभियान चलाया जाता रहा है। वर्तमान में भी लगभग चार माह से एनजीटी के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चल रही है।

प्राधिकरण का दावा है कि लगभग 700 से 800 हेक्टेयर जमीन से अतिक्रमण हटा दिया गया है। डीडीए ने कहा कि खादर से हटाए जाने वाले लोगों के लिए डीडीए कोई राशि खर्च नहीं करता, क्योंकि ये सब अवैध रूप से कब्जा करके बैठे हुए हैं। यमुना तटों को सुंदर बनाने के लिए डीडीए खादर क्षेत्र में असिता ईस्ट और बांसेरा सहित 10 अलग अलग परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

चंद घंटों में 650 से ज्यादा डीडीए फ्लैट बुक

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : डीडीए की 'पहले आओ-पहले पाओ' आधार पर शुरू हुई आवासीय योजना को दिल्लीवासियों की जोरदार प्रतिक्रिया मिल रही है। सोमवार को आवासीय योजना के फ्लैटों की शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर सैकड़ों फ्लैटों की बुकिंग हो जाना इसका प्रमाण है।

जानकारी के मुताबिक रात साढ़े आठ बजे तक के आंकड़े बताते हैं कि द्वारका के सभी दो बेडरूम वाले फ्लैट बिक गए हैं। नरेला व रोहिणी के फ्लैटों के लिए भी लोगों की भारी मांग देखने को मिल रही है। सोमवार को बुकिंग दोपहर 12 बजे से शुरू हुई और कुछ ही घंटों में 650 से अधिक फ्लैट बुक हो गए। देर रात तक बुकिंग जारी रही। रोहिणी में 300 से अधिक फ्लैट बुक हुए, नरेला में 200 से अधिक, जबकि द्वारका के सभी 50 फ्लैट बिक गए। जसोला, सिरसपुर और लोकनायक पुरम में भी आवेदकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखी जा रही है।



जसोला में बने फ्लैट • जागरण आर्काइव

डीडीए वेबसाइट को मिले 17 लाख से अधिक हिट

अधिकारी ने बताया कि योजना के संदर्भ में डीडीए की वेबसाइट को भारी हिट मिले हैं, जो सोमवार को 17 लाख से अधिक हो गए हैं। इस भारी मांग को पूरा करने के लिए सर्वर के सीपीयू को दोगुना कर दिया गया और रैम को भी बढ़ा दिया गया, ताकि जनता को फ्लैट बुक करने में असुविधा न हो।

डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि एलजी वीके सक्सेना ने व्यक्तिगत रूप से डीडीए की आवास नीति पर ध्यान दिया है। डीडीए फ्लैटों को आमजन के लिए आकर्षक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न उपाय अपनाने के निर्देश भी दिए हैं। इन्हीं उपायों का क्रियान्वयन करते हुए नरेला में कनेक्टिविटी और सुरक्षा उपायों में सुधार किया गया है, जबकि उपनगरी में कई बुनियादी

ढांचा परियोजनाएं भी आ रही हैं, जो इसे घर खरीदारों के लिए आकर्षक बनाएंगी। अधिकारी ने बताया कि डीडीए फ्लैटों की बुकिंग करने वाले सभी लोगों को 24 घंटे के भीतर आनलाइन मांग-सह-आवंटन पत्र जारी करेगा। बता दें कि फ्लैटों का पंजीकरण और बुकिंग जारी है और लोग डीडीए की वेबसाइट के माध्यम से अपनी पसंद के फ्लैट आनलाइन बुक कर सकते हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, JULY 11, 2023

NAME OF NEWSPAPERS _____

Business hurt, traders want answers

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The Confederation of All India Traders (CAIT), expressing deep concern over waterlogged roads all over Delhi, has demanded that the lieutenant governor conduct a technical audit of the sewer and drainage systems.

The traders' body demanded a time-bound probe into the huge amount spent on Delhi's drainage and sewer system in the last many years by MCD, DJB and NDMC.

"It is important to find out where the money was spent. Then why have Delhi roads become rivers in just two days of rain?" said CAIT national secretary general Praveen Khandelwal.

"If the entire city got waterlogged after just two days of heavy rain, then it is difficult to even imagine how bad Delhi will become during the monsoon. We request the LG to immediately pay attention to this issue and take immediate steps. Due to the rain, the markets in Delhi have suffered a lot of losses as water entered shops, basements and damaged goods. The Delhi government should immediately compensate the losses to traders due to the negligence of government agencies," Khandelwal said.



Anindya Chattopadhyay

SUBMERGED: Waterlogging at Bela Road food lane in Civil Lines on Monday

In many markets flooding led to major inconvenience to traders.

"Water flooded shops, resulting in damage to our merchandise. The sewerage blockage added to the woes," said Swaran Singh, the general secretary of the All Delhi Computer Traders Association.

He added that the DDA had promi-

sed to address the problem of waterlogging and adopt measures to conserve rainwater, including the construction of a robust drainage system and 12 rainwater harvesting structures.

"However, these have not been implemented. Further, despite the DDA changing the underground sewage lines, traders failed to get any relief," Singh said.

DDA fills up Rohini crater, temporarily

New Delhi: The Delhi Development Authority (DDA) has done a temporary filling of a 20-foot-wide crater in Rohini Sector 23, formed in the middle of a 40-metre-wide road that caved in because of the incessant rain on Sunday.

Officials said that the cave-in may have caused leaks in water and sewer lines and restoration will be done after a few days.

"The cave-in happened on a road dividing Rohini Sector 23-24 on Sunday evening... the temporary filling was done on Monday as there is an alert for rainfall for the next few days," a DDA official said.

"A water supply line, one sewer line and three drain lines pass through the damaged portion of the road. There must be leakage in any of the lines after the road caved in. It will be repaired before restoration of the portion properly," the official said. TNN

WWW.INDIANEXPRESS.COM

THE INDIAN EXPRESS, TUESDAY, JULY 11, 2023

DDA housing scheme receives over 500 bookings on first day

UPASIKA SINGHAL
NEW DELHI, JULY 10

BOOKINGS FOR Delhi Development Authority's (DDA) First Come First Serve housing scheme started on Monday afternoon.

According to official sources, the land-owning authority has received more than 500 flat bookings and 7,324 registrations on their site so far. By Monday evening, the DDA had received bookings for 81 1BHK Economically Weaker Section (EWS) flats, 184 1BHK Lower Income Group (LIG) flats, 32 2BHK Middle Income Group (MIG) flats and 8 3BHK Higher Income Group (HIG) flats.

The booking amount varies depending on the size and category of the flat. The booking fee for a 1BHK EWS flat is Rs 50,000 and for a 1BHK LIG flat, it is Rs 1 lakh. Similarly, the booking amount for a 2BHK MIG flat is Rs 4 lakh and Rs 10 lakh for a 3BHK HIG flat.

The website faced heavy traffic, and reached more than 11 lakh hits since the bookings opened, officials said. Since people faced difficulties accessing the website, the DDA is increasing the capacity of their servers to handle traffic, officials added.

The fourth phase of the FCFS scheme was launched by the DDA on June 30 by announcing the intention to sell over 5,600

flats across Narela, Jasola, Loknayak Puram, Rohini, Dwarka and Siraspur.

The flats were divided into categories based on income groups and their prices were set accordingly.

The 3BHK flats in Jasola have been priced the highest, at Rs 2.08-2.18 crore whereas the 1BHK EWS flats in Narela are priced the lowest, at Rs 9.89 lakh. According to the scheme, applicants will have only a window of 90 days to deposit the entire sum.

After the first 60 days, an interest rate of 11% per annum will be charged. If an applicant is unable to pay within 90 days of allotment, the purchase will stand cancelled.

650 DDA flats booked on Day 1

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Over 650 Delhi Development Authority (DDA) flats were taken under Housing Scheme IV on Monday, the first day of the booking under the first come, first served plan.

"The booking of flats commenced successfully at 12pm on July 10, and till 5.30pm, we received booking for 305 flats, including 81 for 1-BHK (EWS), 184 for LIG (1-BHK), 32 for 2-BHK and eight for 3-BHK flats. By the late evening, we managed to get over 650 flats booked

in different categories," said officials. All 50 flats in Dwarka have been booked, over 300 in Rohini and over 200 in Narela.

Till evening, the scheme received over 17 lakh hits at eservices.dda.org.in and the total number of registration for 5,500 flats were around 7,500. "We expect the rush to continue in the coming days," said an official, adding that DDA is increasing the capacity of its servers to handle the surge in traffic. DDA launched the housing scheme for various locations in the city on June 30.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NA | नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | मंगलवार, 11 जुलाई 2023

डीडीए : पहले ही दिन 500 फ्लैट्स की बुकिंग

■ विस, नई दिल्ली : डीडीए की पहले आओ पहले पाओ स्कीम के चौथे चरण की स्कीम के लिए फ्लैट्स की बुकिंग प्रक्रिया शुरू होते ही लोगों का जबर्दस्त रिस्पांस मिल रहा है। सुबह 12 बजे शुरू हुई इस प्रक्रिया के तहत महज 6 घंटे में ही वेबसाइट को 13 लाख से अधिक हिट मिले। इसकी वजह से वेबसाइट कुछ समय के लिए स्लो हो गई। बुकिंग न होते देखकर डीडीए ने अपने सर्वर की क्षमता को बढ़ाया। इसके बाद बुकिंग प्रक्रिया दोबारा शुरू हो पाई। शाम 5:30 बजे तक स्कीम के तहत करीब 500 फ्लैट्स लोगों ने बुक करवा लिए थे। इनमें 50 प्रतिशत से अधिक फ्लैट्स एलआईजी कैटेगरी के हैं।

डीडीए के मुताबिक स्कीम के तहत कुल 7324 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाए



हैं। यह अच्छी खासी संख्या है। इस स्कीम में 5600 के करीब फ्लैट्स हैं। डीडीए के अनुसार इस स्कीम के तहत फ्लैट बुकिंग अमाउंट वापस नहीं होगा। ऐसे में उम्मीद है कि जितने फ्लैट्स बुक हुए हैं, उनके बिकने की संभावना काफी अधिक है। डीडीए अधिकारी के अनुसार स्कीम को पहले ही दिन मिले अच्छे रिस्पांस की एक वजह यह भी है कि इस बार जिनके पास दिल्ली में अपना घर है, वह भी यह फ्लैट ले सकते हैं।



बिंदापुर डीडीए फ्लैट्स पॉकेट-3 में भरा पानी

■ विस, बिंदापुर : डीडीए फ्लैट्स पॉकेट-3 में रहने वाले लोग पिछले तीन दिनों से सड़कों पर पानी भरा होने की वजह से परेशान हैं। पानी यहाँ इस कदर भर गया है कि कुछ ब्लॉक में बिजली तक नहीं है। आरडब्ल्यूए के प्रेजिडेंट विरेंद्र शर्मा ने बताया कि बिंदापुर आरडब्ल्यूए ऑफिस रोड पर ड्रेन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इसकी वजह से ई और एफ ब्लॉक का पानी नहीं निकल रहा है। यह स्थिति बनने की एक और वजह यह है कि यहाँ पर पिछले साल 27 मई को 800 एमएम की पाइपलाइन डालने का काम शुरू हुआ था। यह काम अब तक पूरा नहीं हुआ है। संप पिट, मोटर और ट्रांसफॉर्मर को अब तक इंस्टॉल नहीं किया गया है। इसकी वजह से भी यहाँ की गलियों में पानी भरा हुआ है।

धंसी रोड के गड्डे को मलबे से भरा

रोहिणी: बारिश थमने के बाद की जाएगी सड़क की मरम्मत

■ एनबीटी न्यूज, रोहिणी

रोहिणी सेक्टर 23-24 की डिवाइडर रोड के पास धंसी सड़क को डीडीए ने फिलहाल अस्थायी तौर पर ठीक कर दिया है। यहाँ बने गहरे गड्डे को मलबा डालकर भर दिया गया है। रोड की पूरी तरह मरम्मत बाद में की जाएगी। रविवार को बारिश के बीच एक बड़े हिस्से में सड़क धंसने से गहरा गड्ढा बन गया था।



रविवार को बारिश में धंस गई थी रोड

डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क के गहरे गड्डे को तुरंत भरने का काम शुरू कर दिया गया था। जिसे सोमवार सुबह

तक कंप्लीट कर लिया गया। हालांकि अभी इस पर सड़क बनाने का काम नहीं हो सकेगा, क्योंकि अभी दिल्ली में बारिश का अलर्ट है। एक-दो दिन बाद रोड की मरम्मत की जाएगी। अभी रोड के धंसने की वजह साफ नहीं की गई है। डीडीए की तरफ से जानकारी दी गई कि जिस जगह पर यह गड्ढा बना। वहाँ तीन नाले हैं, इसके साथ ही एक सीवर लाइन और एक पाइप लाइन गुजर रही है।

**DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE**

Hindustan Times

हिन्दुस्तान

DATED मंगलवार, 11 जुलाई, 2023

Stormwater canal backflow floods Jangpura, Def Col

Snehil Sinha

snehil.sinha@hindustantimes.com

NEW DELHI: Since Saturday, the Public Works Department (PWD) has received around 300 complaints about waterlogging and rainwater seeping into homes, officials aware of the matter said. More than half of these calls were from Jangpura and its surrounding neighbourhoods in low-lying areas of south Delhi, the officials said.

These areas remain inundated as backflow from the Barapullah canal has not allowed the excess rainwater to flow out into the Yamuna, the officials said.

"Across Jangpura and neighbouring areas such as Nizamuddin and Bhogal, water from the drains empties into the Barapullah canal, which finally drains into the Yamuna. After two days of heavy rainfall, the water level in the Yamuna as well as in the Barapullah canal is very high. As a result, there is a backflow from the canal, leading to waterlogging," said a PWD official.

Many residents said they used pipes to pump water out of their homes. "On Saturday and Sunday, the entire street in front of my house was inundated with waist-level water, which made pumping water out of the house even more difficult. The situation was better by Monday, though the road is still waterlogged," said Karan Gauba, a resident

of Jangpura Block B.

Further south, areas such as Defence Colony and Lajpat Nagar were inundated, with residents blaming the waterlogging of the covering of the Kushak stormwater drain in 2008.

"Because of this, every year when it rains our basements get flooded. It's almost like a river just changed course and entered our house," said Bhavreen Kandhari, a resident of Defence Colony, D block.

Major (retired) Ranjit Singh, the former RWA president of Defence Colony, said, "An open drain with side slopes was replaced by the concrete Kushak drain, which was clearly a bad idea. The concrete bed does not allow water discharge, and the silt gets stuck. Besides, most of the basic civic infrastructure was designed in the 1950s, whereas population has increased four-fold now and similar infrastructure upgrade is needed."

He added that the maintenance of the drain has recently been handed over by Delhi Development Authority to the Municipal Corporation of Delhi.

HT reached out to MCD, but its officials did not respond to queries for comment on the Kushak drain.

On Sunday, water minister Saurabh Bhardwaj had visited parts of Jangpura and discussed the waterlogging problem with PWD officials.

डीडीए के 632 फ्लैट की बुकिंग हुई



नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की पहले आओ पहले पाओ की चौथे चरण की आवासीय योजना के फ्लैटों की बुकिंग सोमवार दोपहर 12 बजे से शुरू हो गई। फ्लैटों के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके लोग डीडीए के पोर्टल पर जाकर बुकिंग करा रहे हैं। सोमवार तक लोग 632 फ्लैट की बुकिंग करा चुके थे। लोग एलआईजी और ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को तरजीह दे रहे हैं।

कई लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने ईडब्ल्यूएस फ्लैटों के लिए बैंकों से लोन की सुविधा न मिलने को लेकर सवाल उठाए हैं।

लोन मिलने में कोई दिक्कत नहीं : डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया

15 मिनट तक मिलेगा बुक करने का मौका

- पंजीकरण करने के बाद सोमवार दोपहर 12 बजे के बाद dda.org.in में जाकर फ्लैट बुकिंग के लिए विंडो खुलेगी। इसमें ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी और एचआईजी फ्लैटों के लिए लोगों को अपनी प्राथमिकता के अनुसार चयन करते हुए फ्लैट का चयन करना होगा।
- फ्लैट का चयन करने के बाद, पेमेंट गेटवे खुलेगा। पेमेंट गेटवे के तहत ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी और एचआईजी फ्लैटों के अनुसार निर्धारित बुकिंग शुल्क जमा कराना होगा।
- फ्लैट का चयन करने के बाद वह वेबसाइट में मौजूद विंडो में लाल रंग के निशान के साथ नजर आएगा। जिसके तहत डीडीए द्वारा अगले 15 मिनट के लिए उस फ्लैट को ब्लॉक कर दिया जाएगा। जिससे अन्य लोग उसका चयन न कर सकें।

कि डीडीए की पहले आओ, पहले पाओ की आवासीय योजना के फ्लैटों के लिए लोन मिलने की सुविधा में दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, हर बैंक की अपनी स्वतंत्र नीति है, जिसके तहत बैंक प्रत्येक आवेदक की क्रेडिट क्षमता जांचते हैं।

7324 लोगों ने पंजीकरण कराया : डीडीए ने 30 जून को शाम 5 बजे फ्लैटों के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया

शुरू की थी। अब तक 7324 लोगों ने पंजीकरण करा लिया है।

वेबसाइट पर 17 लाख से ज्यादा हिट रहे : डीडीए के अनुसार, बुकिंग शुरू होने के बाद लोगों की योजना को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली। वेबसाइट पर सोमवार 7 बजे तक 17 लाख से ज्यादा हिट हुए। वेबसाइट में बेहद ज्यादा ऑनलाइन ट्रैफिक देखने को मिला।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2023 दैनिक जागरण III TED-----

दस साल में तीन प्रतिशत बढ़ गया राजधानी का हरित क्षेत्र, लक्ष्य से दोगुने लगाए थे पौधे

वर्ष 2013 में 297 वर्ग किमी थी हरियाली, 2021 में बढ़कर हुई 342 वर्ग किमी

निहाल सिंह • नई दिल्ली

राजधानी में 10 साल में पौधारोपण का लक्ष्य 17 लाख से 34 लाख तक पहुंच गया है। लगातार हो रहे पौधारोपण से दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ाने में भी मदद मिल रही है। सड़क किनारे हरियाली से लेकर, सेंट्रल वर्ज में होने वाले पौधारोपण से हरियाली भी दिखने लगी है। मध्य और दक्षिणी दिल्ली में खास तौर पर बढ़ा हरित क्षेत्र वास्तविक रूप में दिखाई भी देता है, लेकिन उत्तर-पूर्वी दिल्ली जहां पर घनी आबादी के कारण खाली जगह न होने से पौधारोपण उस स्तर पर नहीं हो पाता है, जिस तरह दिल्ली के दूसरे इलाकों में होता है। यही वजह है कि हरियाली उत्तर-पूर्वी दिल्ली के इलाकों में कम दिखाई देती है।

दिल्ली में देखने में आता है कि लक्ष्य पूरा करने लिए पौधारोपण और वृक्षारोपण किया जाता है, लेकिन इतनी बेतरतीब तरीके से पौधे लगा दिए जाते हैं, जिससे वर्तमान और भविष्य में पौधों को नुकसान होना तय है। दैनिक जागरण ने मथुरा रोड पर सुप्रीम कोर्ट से लेकर ओबेराय फ्लाईओवर और लोधी रोड पर किए गए वृक्षारोपण की पड़ताल की। मथुरा रोड पुनर्विकास के तहत यहां और इसके आसपास के मार्गों पर सितंबर 2022 में 1,600 वृक्ष पीपल, नीम, पिलखन और अमलतास के लगाए गए थे। यहां पर 10 पेड़ सूखे हुए मिले। कुछ स्थानों पर तो ऐसा दिखा कि बड़े पेड़ के नीचे ही पिलखन जैसा वृक्ष लोक निर्माण विभाग ने लगा रखा है। इतना ही नहीं, पीपल जो कि बड़ा और छायादार वृक्ष बन जाता है, वह

2022 में सितंबर में 1,600 वृक्ष पीपल, नीम, पिलखन और अमलतास के लगाए गए थे, बाद में कुछ पेड़ सूखे मिले



धीला कुआं क्षेत्र में एनडीएमसी द्वारा किया गया सुंदरीकरण • चंद्र प्रकाश मिश्र

ऐसे वृक्ष जो भविष्य में बड़े विशाल पेड़ बनते हैं, उनके लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के नियम है, इनके बीच 20-25 फीट की दूरी होनी चाहिए। हां, झाड़िया पास-पास लगाई जा सकती हैं। वहीं, कुछ ऐसे वृक्ष जो छाया में उगते हैं, वह भी पेड़ के नीचे लगाए जा सकते हैं, लेकिन, पीपल, जामुन, पिलखन, आम और नीम जैसे वृक्षों के नियमों का पालन होना चाहिए। - रणवीर सिंह, पूर्व निदेशक, उद्यान विभाग, निगम

भी बहुत पास-पास लगा रखे हैं। इससे न तो यह पौधे सही से बढ़ पा रहे हैं और न ही अपना सही आकार ले पा रहे हैं।

दिल्ली में वर्ष 2013 में 297.81 वर्ग किमी हरितक्षेत्र था, जो कि 2021 में 342 वर्ग किमी हो गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार, रोपित किए गए पौधों में से 60 प्रतिशत से अधिक पौधे जीवित बचते हैं, तो यह अच्छा है। जबकि सर्वोत्तम स्थिति 80 प्रतिशत से अधिक जीवित रहने पर है। पौधारोपण की सबसे बड़ी चुनौती लगाए गए पौधों को जीवित रखने की होती है। दिल्ली में इसके भी परिणाम अच्छे आ रहे हैं। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (एफआरआई) और पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा कराए गए सर्वे में बेहतर परिणाम मिले हैं। दिल्ली विकास

प्रधिकरण द्वारा वर्ष 2018-19 में जो पौधारोपण किया गया था, उसमें 90-95 प्रतिशत पौधे जीवित मिले थे। इसी प्रकार 2019-20 में यह जीवित पौधों की यह दर 80-85 प्रतिशत थी। इसी प्रकार एनडीएमसी 2016-17 में जो पौधारोपण किया था, उसमें 72.37 प्रतिशत पौधे जीवित मिले। 2017-18 में हुए सर्वे में 65.83 प्रतिशत पौधे जीवित मिले। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग वर्ष 2016-17 में 27, 871 पौधे लगाए थे। इसमें 67 पौधे जीवित मिले। इसी प्रकार 2017-18 में 19362 पौधे लगाए गए थे। इसमें 65 प्रतिशत और 2018-19 में लगाए गए 61676 पौधों में से 68 प्रतिशत पौधे जीवित मिले। विभिन्न एजेंसियों ने बीते वर्षों में पक्षियों के खाने का इंतजाम भी किया है। इसमें कई जगह फलदार वृक्ष भी बीते वर्षों में

वर्ष	पौधारोपण
2012-13	17,17,618
2013-14	10,10,382
2014-15	16,12,889
2015-16	16,51,448
2016-17	24,75,665
2017-18	16,08,105
2018-19	28,95,816
2019-20	28,69,516
2020-21	32,40,820
2021-22	34,95,648

वर्ष	वर्ग किमी में हरित क्षेत्र
2015	299.77
2017	305.41
2019	324.44
2021	342

लगाए गए हैं। जिनके जीवित रहने का भी प्रतिशत 80 प्रतिशत तक है। वर्ष 2016-17 में दिल्ली मेट्रो लाइन-1 में कश्मीरी गेट, तीसहजारी, पुलबंगरा, प्रताप नगर, इंद्रलोक, नेताजी सुभाष पैलेस और रोहिणी ईस्ट मेट्रो स्टेशन क्षेत्र में 80 फलदार पौधे जैसे, जामुन, आम और अमरूद के पौधे लगाए। इसमें 60 प्रतिशत पौधे जीवित मिले। इसी प्रकार 2017-18 में शास्त्री पार्क डिपो, शास्त्री पार्क स्टाफ क्वार्टर, सरिता विहार डिपो, सरिता विहार स्टाफ क्वार्टर, आइटी पार्क, सुल्तानपुर डिपो, खैबरपास डिपो, नजफगढ़, यमुना बैंक डिपो, और आइटी पार्क में 2010, जामुन, नीम, अर्जुन जैसे पौधे लगाए। इसमें 1,813 यानी 90 प्रतिशत पौधे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के आडिट में जीवित मिले।

Choked nullah in Taimoor Nagar the source of flooding in SE Delhi

Paras Singh

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Parts of Friends Colony, Maharani Bagh and New Friends Colony in southeast Delhi were inundated because of heavy rain over the weekend. But what made matters worse was water backflowing from drainage pipes at several places, and gushing into homes.

All the underground drainage pipelines in these colonies ended up in what is supposed to be a 20-foot-wide drain abutting the Eastern Avenue Road. This drain, however, progressively gets narrower, reduced to a width of barely 4-5 feet near the slums of Taimoor Nagar due to accumulated filth and unchecked encroachments. This creates a massive choke point, resulting in water flowing back into the colonies from where it originated.

On Saturday and Sunday, the unusually high rainfall and lack of a proper outlet combined to create massive problems in the entire area — so much so that pump operators could find no place to dump the water they were drawing out, officials aware of the matter said. When HT visited the spot on Monday, it found that the “outfall drain”, a lifeline for the drainage system of this part of Delhi, was covered with a thick layer of plastic bags, containers, food wrappers, and domestic waste bundled in bags — defying claims of monsoon preparedness and desilting. Then, there were encroachments along its sides, gradually impeding the flow of water.

But first, the lay of the land: A narrow lane off the arterial Eastern Avenue Road (parallel to Mathura Road) runs into Taimoor Nagar. Here, an open drain, Taimoor Nagar nullah, locally known as “nullah road”, runs parallel to Taimoor Nagar, which is made up of an urban village one side and two slum clusters on the other. All the smaller drains from across the planned colonies in the vicinity lead to the Taimoor Nagar nullah, and the water is then supposed to flow directly into the Yamuna.

On Monday, the impact of the



mess cause by the blockage was visible across the entire basin.

In the immediate vicinity of the nullah, several basements were flooded. Local residents could be seen using water pumps to prevent seepage. And some households were busy building small barriers at their doorsteps to prevent a repeat of the mess created over the last two days.

Shiv Charan, who runs an electronics shop in Taimoor Nagar, said that, over last two days, the whole area has faced a flood-like situation. “We had to shift our goods to the first floor as water started entering the basements. Many godowns located on the ground floor have been flooded. There has been no clean-up of the drain this time,” he said, adjusting the pump that was being used to push the rainwater back into the nullah. “Luckily it’s not raining,” he added.

Further away, adjacent streets were still full of filth and silt from the weekend’s flooding.

Almost a kilometre away, in

New Friends Colony, the residents were livid about the lack of water drainage and how no steps were being taken by agencies to flush out the drain. Chitra S Jain, general secretary of the New Friends Colony RWA (Ashoka Park), said that the nullah has been a natural drain for the region but the growth of two slums at Pahari 1 and 2, and the lack of waste management in the area have led to the only major outfall drain in the region being obstructed.

‘Looks like a dump’

“The drain looks like a garbage dump. At places, it is just full of solid garbage layers. This is not a localised problem; this place gets water from as far back as Lajpat Nagar and Srinivaspuri. The outfall is also at a lower level than the drain and when the water level goes up, the streets get repeatedly flooded,” Jain said.

Triveni Mahajan, secretary, RWA, Friends Colony, said that the choking of Taimoor Nagar drain is the root cause of flood-

ing in the entire region.

“We had basements in Maharani Bagh and houses in Friends Colony West getting flooded on the weekend. There is a rush of water right from Srinivaspuri but the outfall in the Yamuna from this drain is blocked due to encroachments and garbage. This leads to backflow in the societies and flooding in basements and first floors. Only one hour of rain leads to a complete mess,” she added.

Amit Bhagchandka, an RWA member and resident of Maharani Bagh, a few hundred metres on the other side of the drain, said that most houses located along the Eastern Avenue Road suffered from flooding over the weekend.

“A couple of days ago, MCD attempted to open the local drain but it has led to backflow entering our houses. It’s terrible,” he said.

Sumer Sarin, another resident of the area, said that this stormwater drain has remained a major chokepoint that leads to flooding in Maharani Bagh and



Taimoor Nagar drain filled with garbage and encroachments on one end (left), and relatively clear on the other. SANCHIT KHANNA/HT

Friends Colony. “All that is required is to clean the drain. The flooding in these colonies is an annual event, and causes sewage to enter the homes, causing major loss of property,” Sarin tweeted, urging MCD mayor Shelly Oberoi to take action on the matter. Oberoi did not comment on the issue.

Vicious cycle

Though the erstwhile South MCD constructed an eight-foot-high barrier wall around the drain in 2017 to prevent locals from throwing garbage in the drain, the practice continues. On Monday, HT saw that residents in Taimoor Nagar continue to bundle up their domestic waste disposing it of in the nullah. There are dairies that also operate there, dumping waste into the waterbody freely.

At a section barely 500m away from the Eastern Avenue Road, the drain was barely four-feet wide, with encroachments in the form of slums, silt deposits along the banks, and a drainage pipe that was being used as a bridge to cross the nullah.

Md Wajid, 52, a local, blamed the MCD for the lack of garbage collection. “Where will people take their garbage? We were also affected in the deluge over the last two days. There was waist-deep water in some houses. No desilting has been done this year,” he said.

An MCD official, on his part, said that the affected 500m section of drain is overseen by the Delhi Development Authority (DDA). “We have repeatedly raised the issue with the DDA but the drain has not been cleaned properly. Two days back, we deployed our JCB to clear the blockages in the drain as pump operators were not able to pump out the water from neighbouring areas and all roads and drains were surcharged,” the MCD official said.

DDA officials did not respond to HT’s queries for a comment in the matter.

Area MLA Amanatullah Khan of the Aam Aadmi Party did not comment.

Dr S Velmurugan, chief scientist and head of traffic engineering and safety division of the Central Road Research Institute (CRRI), who is also a resident of the CRRI staff quarters at Eastern Avenue Road near Maharani Bagh, said that residents faced a terrible situation over the weekend as there was heavy waterlogging.

“This has become an annual problem. There may be choking at the Taimoor Nagar drain but the whole drainage system needs an overhaul. The size of drains along arterial roads like CV Raman Marg is simply not enough for the catchment area and even 15-20mm of rain leads to urban flooding,” he said.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer

millenniumpost

TUESDAY, 11 JULY, 2023 | NEW DELHI PAPER

पंजाब केसरी
DELHI

11 जुलाई, 2023

TUESDAY | JULY 11, 2023

Over 500 flats booked under DDA's FCFS scheme, say officials

NEW DELHI: More than 500 flats have been booked under a housing scheme of the DDA that was launched on June 30, officials said on Monday.

Ever since the booking window was opened on DDA's website starting 12 noon on Monday, the number of hits on the website has crossed the 13-lakh mark, they said.

The DDA on June 30 had launched on a first-come, first-serve (FCFS) basis a housing scheme that will include 5,500 flats across all categories at various locations in Delhi.

Booking of flats commenced from 12 noon onwards on July 10. A good response has been received from public for this scheme. The website received a hit of more than 11 lakh by 5.30 pm, which later grew to over 13 lakh, a senior official said.

More than 500 flats have been booked, he said. Entire

50 flats of Dwarka completely sold out. By 5.30 pm, 305 flats had been booked, while 7,324 registrations had been done till that period.

Of these 305 flats, 81 were booked under 1 BHK (EWS) category, 184 under 1 BHK (LIG) category, 32 under 2 BHK category and eight under 3 BHK category.

Officials said the DDA website faced heavy traffic in the first six hours as hits reached more than 11 lakh, since the opening of booking under FCFS phase-IV.

For helping the general public in booking flats, the DDA is increasing the capacity of servers to handle the surge in traffic, they said. Under the scheme, 1-BHK flats are being offered in Narela, Siraspur, Rohini, Loknayak Puram; 2-BHK flats in Narela and Dwarka; and 3-BHK flats in Jasola. MPOST

डीडीए हाउसिंग स्कीम में बुकिंग शुरू, 650 से अधिक फ्लैट बुक

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर शुरू हुई आवासीय योजना को लोगों का जोरदार रैस्पॉन्स मिला है। सोमवार को आवासीय योजना के फ्लैटों की बुकिंग शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर द्वारका के 2 बीएचके फ्लैट पूरी तरह से बिक गए और नरेला व रोहिणी के फ्लैटों के लिए लोगों की भारी मांग मिल रही है। सोमवार को बुकिंग दोपहर 12 बजे शुरू हुई और कुछ ही घंटों में 650 से अधिक फ्लैट बुक हो गए और देर रात तक बुकिंग जारी रही। रोहिणी में 300 से अधिक फ्लैट बुक हुए, नरेला में 200 से अधिक जबकि द्वारका के पूरे 50 फ्लैट बिक गए। जसोला, सिरसपुर और लोकनायक पुरम जैसे बाकी स्थानों पर भी आवेदकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखी जा रही है। डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि एलजी साहब ने व्यक्तिगत रूप से डीडीए

डीडीए वेबसाइट को मिले 17 लाख से अधिक हिट

अधिकारी ने बताया कि योजना के संदर्भ में डीडीए की वेबसाइट को भारी हिट मिले हैं, जो सोमवार को 17 लाख से अधिक हो गए हैं। इस हाई डिमांड को पूरा करने के लिए, सीपीयू को दोगुना कर दिया गया और रैम को भी बढ़ा दिया गया ताकि जनता को फ्लैट बुक करने में असुविधा न हो।

को आवास नीति की देखरेख की है और डीडीए फ्लैटों को आम लोगों के लिए आकर्षक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न उपाय अपनाने के निर्देश दिए हैं। इन्हीं उपायों का क्रियान्वयन करते हुए नरेला में कनेक्टिविटी और सुरक्षा उपायों में सुधार किया गया है, जबकि सबसिटी में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी आ रही हैं जो इसे घर खरीदारों के लिए आकर्षक बनाएंगी।

DDA site gets 13 lakh hits for flats

New Delhi: More than 500 flats have been booked under a housing scheme of the DDA that was launched on June 30, officials said on Monday. Ever since the booking window was opened on DDA's website starting 12 noon on Monday, the number of hits on the website has crossed the 13-lakh mark, they said.

The DDA on June 30 had launched on a first-come, first-serve (FCFS) basis a housing scheme that will include 5,500 flats across all categories at various locations in Delhi. Booking of flats commenced from 12 noon onwards on July 10. A good response has been received from public for this scheme.

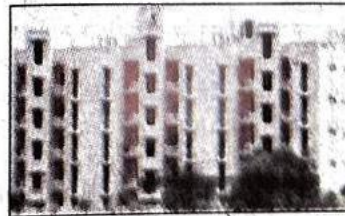
The website received a hit of more than 11 lakh by 5.30 pm, which later grew to over 13 lakh, a senior official said. More than 500 flats have been booked, he said. By 5.30 pm, 305 flats had been booked, while 7,324 registrations had been done till that period. SR

11 जुलाई • 2023

सहारा

पहले ही दिन डीडीए के 500 फ्लैट बुक

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की 'पहले आओ-पहले पाओ' ऑन लाइन हाउसिंग योजना-4 के पहले दिन ही 500 फ्लैटों की बुकिंग हो गई। डीडीए ने यह हाउसिंग योजना बीते 30 जून के लांच की थी। हालांकि फ्लैट बुकिंग 10 जुलाई से शुरू हुई है। इस योजना में अब तक 7324 लोग पंजीकरण करा चुके हैं। प्राधिकरण का कहना है कि वेबसाइट पर लगातार लोग हिट कर रहे हैं इससे वेबसाइट पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। प्राधिकरण के मुताबिक वन बीएचके के (ईडब्ल्यूएस) 81, वन बीएचके के (एलआईजी) 184, 2 बीएचके के 32 एवं थ्री बीएचके के 8 फ्लैटों बुकिंग हुई है। डीडीए



के मुताबिक सोमवार शाम पांच बजे तक 11 लाख से अधिक लोग वेबसाइट को देख चुके हैं। डीडीए ने यह हाउसिंग योजना 30 जून के लांच की थी। इस योजना में विभिन्न श्रेणी के 5623 फ्लैट आवासीय

योजना में शामिल हैं। यह फ्लैट नरेला, द्वारका, रोहिणी, लोकनायकपुरम एवं जसोला में उपलब्ध हैं। खासबात यह है कि इस योजना में ऐसे लोग की आवेदन कर सकते हैं, जिनके पास दिल्ली में 67 वर्गमीटर से बड़ा

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-----DATED-----

अमर उजाला नई दिल्ली | मंगलवार, 11 जुलाई 2023

डीडीए : पहले ही दिन 650 फ्लैटों की बुकिंग

5623 फ्लैट हैं विभिन्न श्रेणी के, 1.3 लाख लोगों ने योजना का अब तक किया मुआयना

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। डीडीए की 'पहले आओ-पहले पाओ' ऑनलाइन हाउसिंग योजना-4 के तहत फ्लैटों की बुकिंग शुरू हो गई है। पहले दिन सोमवार को 650 फ्लैटों की बुकिंग हुई, जबकि अब तक 7324 लोगों ने पंजीकरण कराया है।

डीडीए ने अपनी यह हाउसिंग योजना 30 जून का लॉन्च की थी। योजना में विभिन्न श्रेणी के 5623 फ्लैट हैं। डीडीए अपनी इस योजना में नरेला, द्वारका, रोहिणी, लोक नायकपुरम एवं जसोला के फ्लैट

70 हजार के करीब लोगों ने घर के लिए कराया पंजीकरण

शामिल किए हैं। इन स्थानों पर विभिन्न श्रेणी के 5623 फ्लैट हैं। डीडीए की पिछली योजनाओं में ये फ्लैट शामिल थे, मगर खरीदार आगे नहीं आए।

लिहाजा ने डीडीए ने इस योजना से अपनी हाउसिंग योजना में परिवर्तन किया है। इस योजना में ऐसे लोग भी आवेदन कर सकते हैं, जिनके पास दिल्ली में 67 वर्गमीटर से बड़ा फ्लैट या फिर प्लॉट पहले से उपलब्ध नहीं है।

डीडीए के अनुसार उसकी इस आवासीय योजना से रूबरू होने के लिए उसकी वेबसाइट पर लगातार लोग हिट कर रहे हैं।

इस कारण वेबसाइट पर लगातार दबाव बढ़ रहा है, दरअसल 13 लाख से अधिक लोग उसकी वेबसाइट को हिट कर चुके हैं।

वहीं डीडीए ने बताया कि लोगों ने सबसे अधिक वन बीएचके (एलआईजी) फ्लैटों की बुकिंग कराई है, जबकि श्री बीएच के फ्लैट खरीदने के लिए लोग आगे नहीं आ रहे हैं। इस श्रेणी के मात्र आठ फ्लैटों बुकिंग हुई है।